सेन्ट्रल जोन इंश्योरेन्स एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से सम्बद्ध)

प्रभांजलि, 33, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष : का. एस.आर. उर्ध्वरेषे

महासचिव : का. बी. सान्याल

परिपत्र क्र. : 06/2013

दिनांक : 10.10.2013

मध्य क्षेत्र के समस्त बीमा कर्मियों के नाम

प्रिय साथियों,

विषय : विधानसभा चुनाव 2013 - वामपंथी ताकतों को मजबूत करो।

मध्य क्षेत्र के अन्तर्गत दोनों प्रदेशों में नवम्बर 2013 में विधान सभा चुनाव सम्पन्न होने जा रहा है। इन दोनों प्रदेशों में मुख्य चुनावी टक्कर सत्तासीन भाजपा और विपक्षी कांग्रेस के बीच में होगी यह बात सबको मालूम है। यह भी हम सभी जानते हैं कि ये दोनों पूंजीवादी पार्टियां उदारीकरण, निजीकरण, वैश्वीकरण जैसे आर्थिक नीतियों की घोर समर्थक हैं तथा इन जनविरोधी नीतियों को लेकर इनमें कोई वास्तविक मतभेद नहीं है। इसलिये कांग्रेस या भाजपा के चुनाव प्रचार के दौरान प्रदेशों के जनता की भूख, गरीबी, बदहाली, बेरोजगारी, छटनी, कुपोषण, अशिक्षा, चिकित्सा, किसानों की आत्महत्यायें, बलात्कार, आदिवासियों की दयनीय स्थिति जैसे सवाल चुनावी मुद्दा बनने नहीं जा रहा है। आम जनता को ये दोनों ही पार्टियां लोक-लुभावन नारों के माध्यम से फिर से एक बार वंचना की शिकार बनाने जा रही है।

उपरोक्त पृष्ठभूमि में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में वामपंथी पार्टियां विशेषकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी अपनी सीमित शक्तियों के बावजूद चुनाव में सम्पूर्ण गंभीरता के साथ हिस्सेदारी करेगी। इनके प्रचार निश्चित ही प्रदेश के जनता की वास्तविक सवालों पर केन्द्रित रहेगी। इनके प्रचार उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण के भयंकर दुष्परिणामों को जनता के सामने लाने के लिये होगी। AIIEA पिछले 22 वर्षों से जिन नीतियों के खिलाफ जन-लामबंदी करने के उद्देश्य से लगातार संघर्ष कर रही है मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का चुनाव प्रचार उसी की प्रतिध्वनि होगी इसमें कोई शक नहीं है। मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के बीमा कर्मचारियों की यह सुस्पष्ट राजनैतिक जिम्मेदारी है कि इस चुनाव का उपयोग बीमा उद्योग के निजीकरण की मुहिम के खिलाफ सशक्त मोर्चेबंदी के रूप में करेंगे। इसलिये इस चुनाव में हमें वामपंथी पार्टियां विशेषकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सभी उम्मीदवारों के चुनाव प्रचार में सक्रिय भागीदारी बनना चाहिये। साथ ही साथ प्रदेशों में जहां वामपंथी पार्टियों के उम्मीदवार नहीं है वहां भी कांग्रेस-भाजपा की नीतियों को जनता के सामने बेनकाब करने के संघर्ष में हिस्सेदार होना पड़ेगा। अब की बार तो मतदाताओं के पास यह भी अधिकार है कि वे चुनाव मैदान में उतरे सभी प्रत्याशियों को अपने मतदान के माध्यम से अस्वीकार भी कर सकते हैं इसलिये कुछ लोगों का यह तर्क कि कांग्रेस-भाजपा को वोट देने के अलावा कोई विकल्प नहीं रहता यह भी आज लागू नहीं होगा क्योंकि प्रत्याशियों को अस्वीकार करना भी अपने आप में एक मतदान होगा।

इस भीषण महंगाई में वामपंथियों के लिये चुनाव प्रचार करना कितना कठिन है यह बीमा कर्मचारियों को समझाने की आवश्यकता नहीं है। भाजपा और कांग्रेस तथा अन्य पूंजीवादी पार्टियों के पास बेशुमार धन उपलब्ध है जिसका भरपूर दुरूपयोग चुनाव के दौरान किया जायेगा। इसलिये वामपंथी पार्टियों का चुनाव प्रचार और भी चुनौतीपूर्ण होगा। बीमा कर्मचारियों को याद रखना होगा कि बीमा उद्योग के हिफाजत के संघर्ष तथा वामपंथी पार्टियों की चुनावी संघर्ष दरअसल एक ही सिक्के के दो पहलू हैं इसलिये इनके प्रचार सही तरीके से हो सके यह देखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

उपरोक्त पृष्ठभूमि में हम मध्य क्षेत्र के सभी बीमा कर्मचारियों को मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के आगामी चुनाव में वामपंथी पार्टियां विशेषकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के चुनाव प्रचार को सशक्त बनाने हेतु तहेदिल से आर्थिक मदद देने की अपील करते हैं। हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि हमारे सभी साथी इस महती जिम्मेदारी को तन-मन-धन से पूरा करेंगे।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ,

आपका साथी

(बी. सान्याल)

महासचिव

मुद्रक : एक्सेल ऑफसेट प्रिन्टर्स, फूल चौक, रायपुर (छ.ग.)